देवनागरी उर्दू

हज़रत ईसा अल-मसीह के ख़ास तालीमात

हज़रत ईसा अल-मसीह के ख़ास तालीमात

पिछले सबक में, मैंने हज़रत ईसा अल-मसीह की पैदाइश और उन के मौजिज़ात के बारे में बताया था। बहुत से नबियों ने हज़रत ईसा अल-मसीह की पैदाइश की पेशनगौई की थी। फ़रिश्ते भी आए और हज़रत मरियम अलैहस्सलाम और दूसरे लोगों को बताया कि हज़रत ईसा अल-मसीह पैदा होने वाले हैं। वो बग़ैर बाप के पैदा हुए। अल्लाह ने उन्हें भेजा ताकि वो हमारे गुनाहों की माफ़ी के लिए क़ुर्बानी दें। क्या किसी और नबी की पैदाइश इतनी ख़ास थी?

हज़रत ईसा अल-मसीह ने बीमारो को ठीक किया, मुर्दों को ज़िंदा किया। ये सब मोजिज़े उन्होंने इस लिए किए ताकि गुनाहगारों पर अपनी मौहब्बत ज़ाहिर करें। उन्हें अल्लाह ने इतना इख़्तियार दिया था कि वो गुनाह माफ़ कर सकते थे और हमारे दिलों के छुपे हुए ख़याल भी जानते थे। क्या किसी और नबी ने इतने मोजिज़े किए?

आज हम हज़रत ईसा अल-मसीह की ख़ास तालीमात पर ग़ौर करेंगे। उन्होंने फ़रमाया:
“राह और हक़ और ज़िंदगी मैं हूँ। कोई मेरे वसीले के बग़ैर ख़ुदा बाप के पास नहीं आ सकता।”

तो गौर करें, हज़रत ईसा अल-मसीह की पैदाइश ख़ास थी, उन्होंने बड़े-बड़े मौजिज़े किए, और उनकी तालीमात भी बहुत ज़बरदस्त थीं। मगर सब से ख़ास बात ये है कि हज़रत ईसा अल-मसीह ने हमारे गुनाहों की माफ़ी के लिए अपनी जान क़ुर्बान की। उन्हें दफ़्न किया गया, और तीसरे दिन वो दोबारा ज़िंदा हो गए। फिर वो आसमान पर उठा लिए गए। अब वो जन्नत में हैं और क़यामत के दिन का इंतिज़ार कर रहे हैं।

अब मैं हज़रत ईसा अल-मसीह की तालीमात में से एक और पैग़ाम सुनाना चाहता हूँ, जो "इंजील शरीफ़" में है। ये पैग़ाम "पहाड़ी वाइज़" के नाम से मशहूर है, जो मत्ती बाब पाँच, छे और सात में है।

आइए, अब हम इंजील-ए-मत्ती (7:24-27) से सत्ताईस पढ़ते हैं:

लिहाज़ा जो भी मेरी यह बातें सुनकर उन पर अमल करता है वह उस समझदार आदमी की मानिंद है जिसने अपने मकान की बुनियाद चटान पर रखी।

बारिश होने लगी, सैलाब आया और आँधी मकान को झँझोड़ने लगी। लेकिन वह न गिरा, क्योंकि उस की बुनियाद चटान पर रखी गई थी।

लेकिन जो भी मेरी यह बातें सुनकर उन पर अमल नहीं करता वह उस अहमक़ की मानिंद है जिसने अपना मकान सहीह बुनियाद डाले बग़ैर रेत पर तामीर किया।

जब बारिश होने लगी, सैलाब आया और आँधी मकान को झँझोड़ने लगी तो यह मकान धड़ाम से गिर गया।”

ये तालीम हमें बताती है कि दो तरह के लोग होते हैं।

www.taleemulkalam.org

एक वो जो हज़रत ईसा अल-मसीह की बात भी सुनते हैं और उस पर अमल भी करते हैं। दूसरे वो लोग है जो सिर्फ बात सुनते हैं, मगर उस पर अमल नहीं करते। दोनों ने बात सुनी, लेकिन फ़र्क़ ये था कि एक ने बात पर अमल किया जबकि दूसरे ने अमल नहीं किया। अच्छे इंसान की मिसाल उस शख़्स की है जिसने अपना घर मज़बूत ज़मीन पर, यानी चट्टान पर बनाया। और बेवक़ूफ़ इंसान की मिसाल उस शख़्स की है जिसने अपना घर कच्ची ज़मीन यानी रेत पर बनाया। जब ज़िंदगी में मुश्किल वक़्त आता है — चाहे वो बीमारी हो, पैसों की तंगी हो, या घर का कोई मसला हो — तो जो हज़रत ईसा अल-मसीह की बातों पर अमल करता है, वो साबित क़दम रहता है। मगर जो अमल नहीं करता, वो मुश्किल वक़्त में टूट जाता है, जैसे कमज़ोर घर तूफ़ान में गिर जाता है।

ये तालीम हमें हज़रत ईसा अल-मसीह की अज़मत बताती है।

खैर, मैं एक और आयत पढ़ूँगा, जो "इंजील शरीफ़" में, यूहन्ना बाब चौदा — उसकी आयत छे में है। हज़रत ईसा अल-मसीह ने फ़रमाया:

राह और हक़ और ज़िंदगी मैं हूँ। कोई मेरे वसीले के बग़ैर बाप के पास नहीं आ सकता।

अगर आप अल्लाह तक पहुँचने का रास्ता तलाश कर रहे हैं, तो हज़रत ईसा अल-मसीह ही वो रास्ता हैं। अगर हम उनकी बातो पर अमल करेगें, तो वो हमें अल्लाह तक ले जाएँगे। लेकिन शर्त ये है कि हम उनकी बातो को सुनें और उस पर अमल भी करें। हज़रत ईसा अल-मसीह ने फ़रमाया कि मैं **"हक़"** हूँ। अगर आप हक को जानना चाहते हैं, तो हज़रत ईसा अल-मसीह के पास आएँ। उनकी बातें सुनें। जैसे-जैसे आप उनके साथ चलेंगे, वो आप को हक़ दिखाएँगे। उन्होंने फ़रमाया कि मैं **"ज़िंदगी"** हूँ। यहाँ वो "हमेशा की ज़िंदगी" यानी जन्नत की ज़िन्दगी की बात कर रहे हैं।

आज हज़रत ईसा अल-मसीह की क़ब्र ख़ाली है, क्यूँकि वो दोबारा ज़िंदा हो कर जन्नत चले गए। अगर आप भी हमेशा की ज़िंदगी चाहते हैं, तो उनकी बातें मानें और उन पर अमल भी करें। उम्मीद है कि आपने हज़रत ईसा अल-मसीह की अज़मत को पहचाना होगा। उनकी पैदाइश सब से ख़ास थी। उनके मौजिज़े सब से बड़े थे। उनकी तालीमात सब से सच्ची थीं। और सब से बढ़ कर, वो हमारे गुनाहों की माफ़ी के लिए क़ुर्बानी देने आए थे।

आज आप के पास मौक़ा है कि हज़रत ईसा अल-मसीह की बात सुनें, अपने गुनाहों से तौबा करें, और उनके शागिर्द बन जाएँ।

www.taleemulkalam.org

हमसे जुड़ने के लिए आइकॉन पर क्लिक करें............